द्रौपदी - स्वयंवर

प्र.१) रिक्त स्थानोंकी पूर्ती करें।

अ) इस स्वयंवर के लिए दूर-दूर से अनेक वीर आए हुए थे।
आ) सबने सोचा अंग-नरेश जरुर सफल होंगे।
इ) सभा में कोलाहल मच गया।
ई) भीमसेन का अनुमान ठिक निकला।
उ) ऐसा प्रतीत हुआ की भारी विप्लव मच जाएगा।
ऊ) उसे भय था की निराश राजकुमार अर्जुन को कुछ कर नबैठे।
ए) वे एक कुम्हार की झोपड़ी में जा पहुँचे।
ऐ) युधिष्ठिर ने राजा को अपना सही परिचय दे दिया।
ओ) यह जानकर की यह पांडव हैं, राजा द्रुपद फुले न समाए।

प्र.२) मुहावरों का अर्थ लिखो।

अ) असफल होना- अनुत्तीर्ण होना
आ) कोलाहल मचना- शोर होना
इ) अनुमान निकालना- अर्थ निकालना
ई) अनुठी हो जाना- अलग हो जाना
उ) संतोष से साँस लेना- राहत मिलना

प्र.३) दिए गए वाक्य सही या गलत वह लिखें।

अ) द्रुपद राजाने द्रौपदी का स्वयंवर रचाया था। सही
आ) कर्ण ने स्वयंवर जीत लिया। गलत
इ) स्वयंवर के लिए सिर्फ पांडव आए थे। गलत
ई) भीम अर्जुन के साथ मंडप में बैठा रहा। सही
उ) भीम अर्जुन द्रौपदी को लेकर कुम्हार की झोपड़ी में गए। सही
ऊ) द्रौपदी ने सिर्फ अर्जुन से ब्याह रचाया। गलत
ए) स्वयंवर के लिए सैकड़ो राजा इकट्ठा हुए थे। सही
ऐ) पांडवों के साथ रिश्ता जोड़ राजा द्रुपद खुश हुए। सही
ओ) द्रौपदी घोड़े पर सवार होके स्वयंवर में आयी थी। गलत
औ) सभी पांडव ब्राम्हणवेश में आए थे। सही

प्र.१) समानार्थी शब्द लिखें।

अ) माता - माँ

आ) समाचार - खबर

इ) सम्मति - मान्यता

ई) शोर - हल्ला

उ) सोना - कनक

ऊ) आश्चर्य - अचम्भा

ए) निराश - हताश

ऐ) कसर - कमी